शिक्षकों के आपस में अकादमिक चर्चाओं में सहयोग हेतु

चर्चा पत्र

माह- मार्च 2021

षष्ठम वर्ष अंक-10

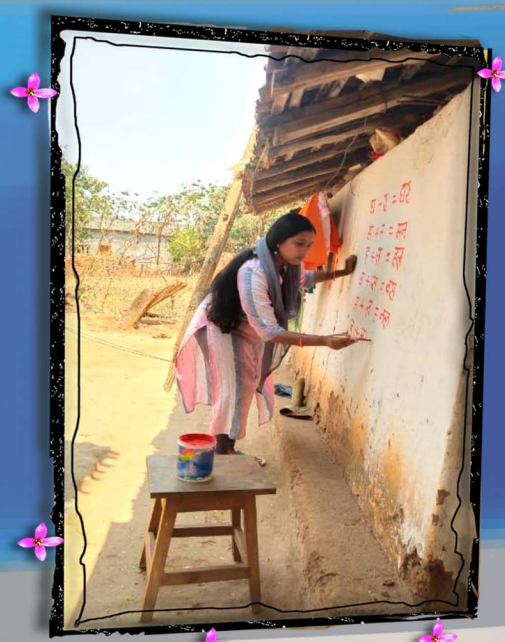

हर गांव प्रिंट-रिच गांव,हर वार्ड प्रिंट-रिच वार्ड

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा
राजीव गांधी शिक्षा मिशन,छत्तीसगढ़

एजेंडा एक:स्कूल में शिक्षकों द्वारा किए जा सकने योग्य कार्य-ट्वीटस

कोरोना के दूसरे राउंड के कहर की वजह से स्कूलों को पुनः लाकडाउन कर दिया गया है। पर इस बार शिक्षकों एवं स्टाफ को नियमित रूप से स्कूल में उपस्थित होना है। ऐसे में इस दौरान शिक्षक स्कूल में रहकर क्या-क्या कर सकते हैं, हमने शिक्षकों से ट्वीट करने को कहा। उनके द्वारा प्राप्त कुछ ट्वीटस इस प्रकार हैं-

श्री संतोष तारक. गरियाबंद: अगले सत्र की तैयारी के लिये विशेष कार्ययोजना बनानेके लिये ताकि यदि ऐसी ही परिस्थिति रही तो भी बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो- @Santosh18508680

श्री ओम नारायण शर्मा, महासमुंद: 1. राष्ट्रीय शिक्षानीति का बारीकी से अध्ययन व मूल बिन्दुओं का चिन्हांकन। 2. जब बच्चे नियमित स्कूल आने लगेंगे उनकी पढ़ाई को पूरा करने के लिए कार्ययोजना निर्माण। 3. जटिल अवधारणाओं का चिन्हांकन कर टी एल एम निर्माण। @omsharma1966

श्री सरोज साव: अपने अध्यापन शैली को और अच्छा बनाने हेतु रूपरेखा तैयार कर सकते है।-@sarojkumar_sao

श्री पुनाराम निषाद: बच्चे शाला नही आ रहे हैं,इस समय का सदुपयोग करके शिक्षक गाँव/वार्ड में प्रिंट रिच वातावरण तैयार कर सकते हैं तथा विभिन्न शैक्षणिक सहायक शिक्षण सामग्री तैयार कर सकते हैं। @ram_punarad

श्रीमती सीमा मिश्रा: स्कूल प्रबंधन को विद्यार्थी हित में कुछ नयी योजनाओं के निर्माण करने में @Seemamishra

श्री प्रेमनारायण साहू: बच्चों को वाट्सएप ग्रुप में जोडकर असाइमेन्ट देना ,प्रश्नोतरी देना,और जिनके पास मोबाइल नही है उन्हे घर घर जाकर हार्डकापी मे असाइमेन्ट देते है असामेन्ट बच्चो के घर पहुचाते है बच्चे घर मे ही करते है ओर दूसरे दिन दूसरा असाईमेट देते है ओर पूर्वदिवस का जमा कर जाँच करते है @SANJEEV61471411

आप भी अपनी बातों / कार्यों को ट्वीट कर साझा करना शुरू करें।

एजेंडा दो: प्रिंट-रिच गाँव/वार्ड तैयार कर उसके माध्यम से सीखना

इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सबसे पहले हम प्रिंट-रिच गाँव/वार्ड को तैयार कर उसका बच्चों, नव-साक्षरों एवं समुदाय को नियमित उपयोग करने हेतु प्रेरित करेंगे। चर्चा पत्र के इस अंक में हम कुछ सुझाव मात्र दे रहे हैं जिसके आधार पर समुदाय, शिक्षकों, पालकों एवं शिक्षा सारथियों के साथ मिलकर अपने आसपास ऐसे स्थानों का चयन करेंगे जहाँ पर प्रिंट-रिच वातावरण के लिए समग्री तैयार कर सकेंगे। समुदाय को भी प्रेरित करेंगे कि वे अपने दीवारों को साफ़ तैयार कर प्रिंट-रिच सामग्री लेखन हेतु उपलब्ध करवाते हुए बच्चों को सीखने में सहयोग करें। इस कार्य में समुदाय से सहयोग लेने के साथ-साथ स्कूलों को प्रदत्त मीडिया फंड, युवा एवं इको क्लब के बजट का भी उपयोग किया जा सकता है। एक बार तैयार करें लेकिन अच्छी क्वालिटी की सामग्री बनाए। गाँव/वार्ड को प्रिंट-रिच बनाने हेतु निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें-

- यह बच्चों एवं नव-साक्षरों को सीखने में सहयोग करने वाली सामग्री हो
- अच्छे पेंटर एवं बेहतर लेखनी वाले शिक्षक एवं विद्यार्थी को जिम्मेदारी देवें
- चर्चा पत्र में सामग्री सुझावात्मक है पर आप अपने शाला संकुल में बैठक आयोजित कर अपने अपने संकुल के लिए स्थानीय स्तर पर मंथन कर बेहतर से बेहतर डिजाइन सोचकर तैयार कर साझा कर सकते हैं
- इस कार्य हेतु शाला में उपलब्ध मीडिया बजट, युवा एवं इको क्लब के बजट का इस्तेमाल किया जा सकता है
- सभी शाला संकुल प्राचार्य इकत्तीस मार्च तक इस कार्य को संपन्न करते हुए इसकी लिखित जानकारी देंगे कि उनके शाला संकुल के सभी गाँवों/वार्ड में प्रिंट-रिच वातावरण तैयार कर उसका उपयोग किया जाने लगा है
- गाँव में अलग-अलग उपयुक्त स्थलों में योग, समाचार पढने, कहानी सुनाने, पुस्तक/पठन सामग्री दान केंद्र, शाला नहीं जा रहे बच्चों के सीखने, विभिन्न कौशलों को सीखने हेतु स्थल सुरक्षित रखा जाकर वहाँ भी उन कार्यों से संबंधित लेखन एवं चित्र आदि बनाने का कार्य संपन्न किया जाएगा।

प्रिंट-रिच गाँव/वार्ड बनाने हेतु शाला संकुल स्तर पर ब्लू-प्रिंट तैयार करवाएं।

एजेंडा तीन: स्वास्थ्य एवं स्कूल शिक्षा विभाग में मानिटरिंग

स्कूली शिक्षा में कक्षागत शिक्षण के दौरान हम कुछ महत्वपूर्ण चीजें स्वास्थ्य विभाग से लेते हैं। जिसमें से सबसे प्रमुख नैदानिक परीक्षण एवं उपचारात्मक शिक्षण हैं। इन दोनों शब्दों को आपने नियमित रूप से उपयोग किया होगा एवं अच्छे से परिचित भी होंगे। सबसे पहले रोग की पहचान के लिए नैदानिक परीक्षण एवं उसके सही उपचार के लिए उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था की जाती है। आइये इसी कडी में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के सिस्टम में आवश्यक तालमेल बिठाने का प्रयास करें।

स्वास्थ्य में की होता है?	शिक्षा में ऐसे ही क्या कर सकते हैं?
नर्स	बच्चों की माता जिन्हें घर पर बच्चों को सिखाने हेतु तैयार करें
हेड नर्स	माताओं में से ऐसी माता जो अन्य माताओं को बच्चों को सिखाने के लिए तैयार कर सकें और सीखने-सिखाने पर नियमित नजर रख सकें
वार्ड बाय	बाल केबिनेट के सदस्य हो अन्य विद्यार्थियों को विभिन्न कार्यों में नियमित सहयोग प्रदान कर सकें
मेडिकल असिस्टेंट	समुदाय से उपलब्ध शिक्षक जो स्थानीय स्तर पर शिक्षकों के कार्य में सहयोग दे सकें – शिक्षा सारथी
विशेषज्ञ डाक्टर	विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ शिक्षक जो उन विषयों का नियमित अध्यापन करते हों
साइकोलोजिस्ट	ऐसे शिक्षक जो कैंसिलिंग के लिए जिम्मेदार हों
फिटनेस एक्सपर्ट	स्पोर्ट्स शिक्षक जो बच्चों को स्वस्थ्य जीवन जीने के लिए योग एवं खेलकूद करवा सके
डाईटीशियन	मध्याह्न भोजन महिला स्रोत समूह को पौष्टिक भोजन एवं कैलोरी आदि की जानकारी देकर उन्हें जिम्मेदारी देवें
अस्पताल प्रबन्धक	प्रधान पाठक/ प्राचार्य जो पूरे स्कूल के नियमित संचालन के लिए जिम्मेदार जवाबदेह हो

स्वास्थ में किसी मरीज की स्थिति से संबंधित नतीजों पर पहुँचने के लिए उपरोक्त सभी पद के लोग नियमित रूप से आपस में बैठकर गहन एवं विस्तृत चर्चा करते हैं। एक दूसरे की बातों को ध्यान से सुनकर आपस में कनेक्शन खोजकर एक समग्र निर्णय लेने की स्थिति में आते हैं। क्या हम भी प्रत्येक बच्चे की स्थिति पर एक टीम के रूप में चर्चा कर काम कर सकते हैं? कृपया स्कूल में एक टीम के रूप में ऐसा कल्चर विकसित करने का प्रयास करें।

एजेंडा चार: स्थानीय भाषाओं में सामग्री निर्माण हेतु ग्रुप

राज्य में प्रचलित भाषाओं में सामग्री निर्माण एवं भाषाओं के नियमित उपयोग हेतु विभिन्न ग्रुप सक्रिय हैं। ये ग्रुप आपस में अपनी भाषा में ही नियमित रूप में चेट कर रहे हैं। इन ग्रुप में माध्यम से हम निम्नलिखित कार्यों को जमीनी स्तर पर गति देना चाहते हैं –

लोक गीत: छत्तीसगढ़ अपनी सांस्कृतिक विरासत में समृद्ध है। राज्य में एक बहुत ही अद्वितीय और जीवंत संस्कृति है । इनके सही तरीके से दस्तावेजीकरण की आवश्यकता है और बच्चों को इन मुद्दों पर समय समय पर चर्चा करने एवं परिचित करवाए जाने की आवश्यकता है। अपनी भाषा एवं मिट्टी में पल-बढ़ रहे लोक गीतों को संकलित किये जाने की आवश्यकता है। हम इनके लिखित/ ऑडियो एवं वीडियो स्वरूपों को अपने ग्रुप में संकलित करना शुरू करें।

लोक नृत्य: छत्तीसगढ़ के लोकनृत्य एवं जनजातीय नृत्य पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। इन नृत्यों का इतिहास, किस अवसर पर इन्हें किया जाता है एवं उनके वीडियो आदि आप अपने ग्रुप में संकलित करना प्रारंभ कर सकते हैं।

इतिहास: अपने भाषा, संस्कृति एवं समृद्ध इतिहास से परिचित करवाने हेतु आप अपने भाषा समूह में सामग्री एकत्र करें।

परंपराएं/ रीति-रिवाज/ मान्यताएं: आपके भाषा एवं संस्कृति समूह में प्रचलित विभिन्न परंपराओं, रीति-रिवाजों एवं मान्यताओं को अपने आसपास के बड़े-बुजुर्गों, लोक कलाकारों एवं पालकों के माध्यम से एकत्रित किया जा सकता है। विवाह, बच्चा पैदा होने की रस्म से लेकर अंतिम यात्रा तक के विभिन्न चरणों का दस्तावेजीकरण किया जा सकता है।

लोक कलाएं: लोक कलाएं केवल मनोरंजन का साधन मात्र नहीं है, बल्कि इनमें इतिहास, विज्ञान और जीवन की सार-गर्भिता के भी दर्शन होते हैं। सामाजिक सौहाद्र, सांस्कृतिक चेतना को बनाए रखने के साथ ही समाज को जागृत करने का कार्य लोक कलाओं के माध्यम से ही संभव है। चूंकि यह हमारे जीवन से जुड़ी हुई हैं अतः इसका संरक्षण किया जाना जरूरी है।

विविध: छत्तीसगढ़ में विभिन्न भाषाओं एवं संस्कृति से संबंधित इन मुद्दों पर भी शिक्षक काम कर बच्चों को अपने इतिहास से परिचित करवा सकते हैं-

- बच्चों को सुनाए जाने हेतु स्थानीय कहानियों की पुस्तकें तैयार करना एवं उन्हें मुद्रित करवाते हुए बच्चों को उपलब्ध करवाना
- लोकोक्ति एवं मुहावरों का संकलन एवं शब्दकोश
- विभिन्न स्थानीय चित्रकला एवं दीवारों पर सजावट के नमूने
- बच्चों एवं समुदाय को परिचित करवाने हेतु स्थानीय म्यूजियम जिसमें विभिन्न प्रकार के आभूषण. वेशभूषा, संगीत यंत्र, औजार, मुखौटे, भोजन आदि का विवरण देता हुआ चार्ट जैसी सामग्री हो
- जन-जागरूकता से जुड़े मुद्दों पर स्लोगन, नारे एवं पोस्टर

यदि आप अभी तक अपने भाषा समूह के ग्रुप से नहीं जुड़े हैं तो तत्काल अपनी भाषा के एडमिन से संपर्क कर स्वयं को जुडवाकर अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। सूची शीघ्र विभिन्न ग्रुप में साझा भी की जाएगी।

एजेंडा पांच: शाला संकुल की भूमिका

शाला संकुलों का गठन विकेन्द्रीकृत प्रणाली, जिम्मेदारी एवं जवाबदेही का निर्धारण एवं बरसों से चले आ रहे विभिन्न स्तरों के मध्य दोषारोपण या टालने की प्रवृत्ति से छुटकारा पाना है। इनके माध्यम से हमें इन कार्यों को प्रारंभ कर गति देनी हैं :

- जिला एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से संबंधित विभिन्न कार्यों एवं जिम्मेदारियों का अपने शाला संकुल में क्रियान्वयन
- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के साथ समन्वय कर अपने शाला संकुल में शिक्षकों का सतत क्षमता विकास
- राज्य एवं जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा से प्राप्त दिशानिर्देशों का अपने शाला संकुल में समय पर पालन सुनिश्चित करना
- अपने संकुल की आंगनबाडी से लेकर हायर सेकंडरी स्तर की सभी शालाओं का प्रशासकीय एवं अकादमिक नियंत्रण करना
- अपने अधीनस्थ शालाओं में विषयवार शिक्षकों एवं नियमित अध्ययन अध्यापन सुनिश्चित करने आवश्यक व्यवस्थाओं हेतु दिशानिर्देश देना
- शिक्षकों के प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी बनाकर विषय आधारित क्षमता विकास
- प्रतिमाह न्यूनतम सात दिन शालाओं के निरीक्षण के लिए नियत कर सघन निरीक्षण
- शाला संकुल में शैक्षिक कैलेण्डर का निर्धारण कर समय पर पालन सुनिश्चित करना
- संकुल स्त्रोत समन्वयकों एवं सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर शाला निरीक्षण से प्राप्त तथ्यों का नियमित फ़ोलो-अप एवं अकादमिक कसावट की दिशा में मिलकर संयुक्त प्रयास
- विद्यार्थी हितग्राही योजनाओं को समय पर शत-प्रतिशत क्रियान्वयन की जिम्मेदारी
- बच्चों में लर्निंग आउटकम की नियमित रूप से ट्रेकिंग एवं उपचारात्मक शिक्षण
- सामुदायिक सहयोग से शालाओं में संसाधन लाने हेतु आवश्यक प्रयास

- सभी शालाओं में समय पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति के साथ साथ समय का सीखने-सिखाने हेतु अधिकतम उपयोग
- शालाकोश/ यूडाईस/यूडीएस प्रणाली में आँकड़ों का निर्धारित समय में अद्यतीकरण
- शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता का अध्ययन कर ऊपर डाईट/ समग्र को भेजकर प्रशिक्षण के आयोजन में आवश्यक सहयोग करना
- शाला प्रबन्धन समितियों के सदस्यों का समय समय पर क्षमता विकास कर उनके माध्यम से शाला प्रबन्धन में आवश्यक सहयोग लेना
- अप्रवेशी, शाला त्यागी एवं लंबे समय से अनुपस्थित बच्चों की पहचान कर उनके सेतु पाठ्यक्रम आयोजित कर आयु अनुरूप कक्षाओं में प्रवेश की दिशा में कार्य
- बच्चों को स्थानीय भाषा में शिक्षा सुविधा देने आवश्यक संसाधन एवं सुविधा उपलब्ध कराना
- शिक्षकों को लर्निंग आउटकम आधारित सहायक शिक्षण सामग्री का उपयोग कर अध्यापन करने समुचित व्यवस्थाएं
- समय पर विभिन्न सुविधाओं जैसे पाठ्य-पुस्तकों, गणवेश एवं सायकल आदि का वितरण
- दिव्यांग बच्चों को समावेशी अथवा आवश्यकतानुसार अन्य सुविधा देने हेतु पहल
- बालिकाओं की शिक्षा एवं वंचित वर्गों की शिक्षा हेतु आवश्यक योजनाएं
- विभिन्न स्तरों पर बच्चों की उपलब्धि में सुधार हेतु समय समय पर फोर्मेटिव, सावधिक एवं समेटिव आकलन को सही तरीके से आयोजन में सहयोग

शिक्षकों एवं बच्चों के पठन/लेखन कौशल विकास हेतु राज्य के शिक्षकों के विशेषज्ञ टीम द्वारा गत वर्ष से प्रतिमाह किलोल के अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। इसे आप अपनी शाला में उपलब्ध अनुदान से, स्वयं वार्षिक सब्सक्रिप्शन के रूप में लेकर बच्चों के साथ उपयोग कर सकते हैं। आप स्वयं एवं बच्चों के मौलिक आलेख भी लिखकर यूनीकोड में टंकित कर **kilolmagazine@gmail.com** में भेज सकते हैं। कृपया अधिक से अधिक शिक्षक साथी इससे जुड़कर नई शिक्षा नीति के लक्ष्य 2025 तक **Foundational Literacy and Numeracy FLN** हासिल करें।

एजेंडा छह: अपनी और अपने विद्यार्थियों की प्रतिभा को न छिपाएं

केरल के त्रिचूर जिले के 9 वीं कक्षा के छात्र अजुनाथ ने अपने पिता को अपनी माँ के दैनिक कार्यों की एक चित्रमय सूची दी, जो उन्हें ताना दे रहा था कि उनकी माँ काम नहीं कर रही है। यह चित्र उनके शिक्षकों ने राज्य सरकार को भेजा था। वहां से, तस्वीर को केंद्र में और 2021 के केंद्रीय बजट के कवर पर जगह मिली।

ट्विटर का नियमित उपयोग प्रारंभ कर ऐसी बातों को वायरल करें।

एजेंडा सात: ध्यान से देखें, चिन्तन-मनन करें एवं चर्चा करें

चित्र में सीखते कैसे हैं. सीखने की प्रक्रिया का वर्णन किया गया है। आप सभी शिक्षा में बहुत समय से डूबकर कार्य कर रहे हैं। पहले स्वयं इस चित्र का बारीकी से अध्ययन कर समझें, फिर अपने साथियों से चर्चा करें। अंत में मासिक समीक्षा बैठक में अलग अलग साथी अलग अलग बिन्दुओं पर अपने विचार प्रस्तुत करें। पांचवे बिंदु के लिए स्वयं कोई नाम सोचें। बच्चे कैसे सीखते हैं. इस पर एक धारणा बनाएँ।

एजेंडा आठ: शिक्षा से जुड़े कुछ उपयोगी ट्वीटस

Don't just teach your students to read.
- Teach them to question what they read, what they study.
- Teach them to doubt.
- Teach them to think.
- Teach them to make mistakes and learn from them.
- Teach them how to understand something.
- Teach them how to teach others.

-Richard Feynman @ProfFeynman

One reason why we don't see learning outcomes in our system is that we fix the inputs and monitor those - instead of agreeing on the outcomes and supporting teachers in finding what would work best in their situations. Options and support are far more effective than instructions!

In 1973 when I was in Class 7, our class teacher told us one day that she was going to be absent the next morning. She returned for classes next afternoon, and told us that she had got married that morning. I'm sure this is the one moment that influenced my education the most.

- Mr. Subir Shikla @subirshukla

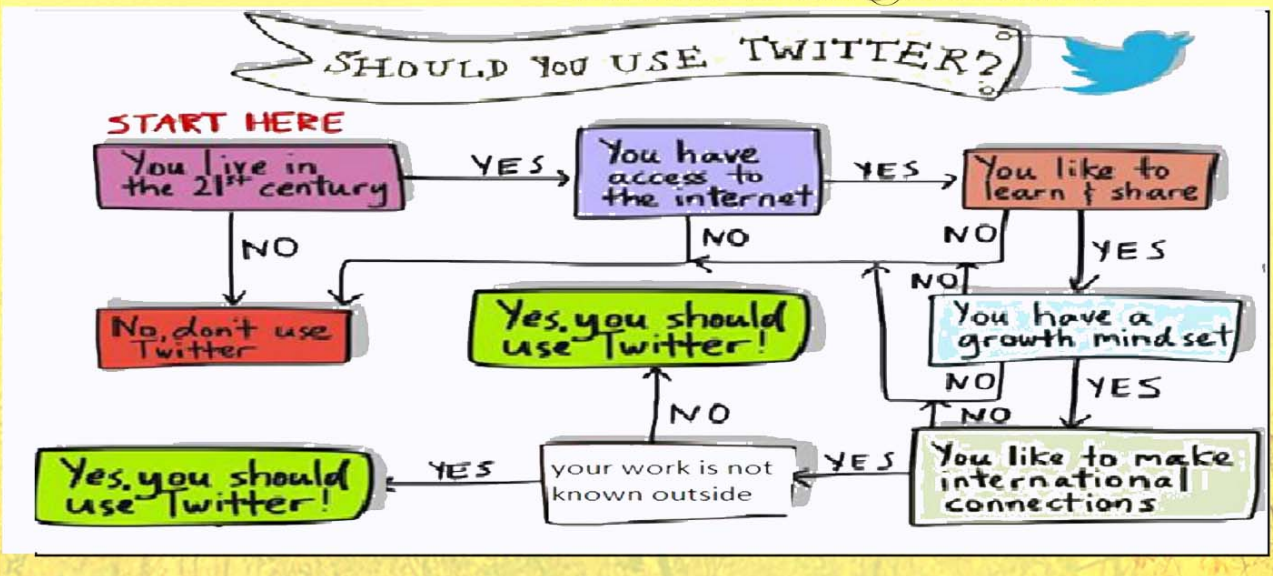

शिक्षा के बारे में नवीन जानकारी प्राप्त करने आप इन्हें फोलो कर सकते हैं | Happy Twittering !

एजेंडा नौ: सहायक शिक्षण सामग्री (टीएलएम मेला)

हाल ही में संकुल स्तरों पर शिक्षक साथियों ने बहुत सक्रियता दिखाते हुए टीएलएम मेले का आयोजन किया। स्टाल में विभिन्न विषयों के अध्यापन हेतु ढेर सारी सहायक सामग्री तैयार कर प्रदर्शित की गयी। सहायक सामग्री निर्माण एवं प्रदर्शन के लिए प्रत्येक शाला संकुल को रूपए दस हजार का टीएलएम अनुदान दिया गया था। अन्य शालाओं के शिक्षकों को टीएलएम अनुदान के रूप में प्रत्येक शाला के शाला अनुदान से पांच सौ रुपए उपलब्ध करवाने का प्रावधान किया गया था। अब आगे इसमें ये कार्य करने हैं-

1. जिन शालाओं में यह मेला प्रारंभ नहीं हुआ है, वहां कोरोना सुरक्षा का पालन कर दूरस्थ माध्यम से अपनी अपनी शाला में रहकर वीडियो कोंफ्रेंस से इसका आयोजन कर संकुल स्रोत केंद्र के लिए सामग्री एकत्र कर सकते हैं
2. तैयार सामग्री में से बेस्ट सामग्री का विषयवार चयन कर संकुल स्रोत केंद्र में प्रदर्शन के लिए पूरे सत्र रखने की व्यवस्था करवाएं
3. संकुल के भीतर की अन्य शालाएं इन सामग्री को देखने शाला भ्रमण कर वैसे ही सामग्री अपनी शाला के लिए तैयार कर सकते हैं
4. कुछ महंगी सामग्रियों को हर जगह बनाने के बदले बारी-बारी से सभी शालाएं लेजाकर उपयोग कर वापस कर सकती है – मोबाइल TLM

एजेंडा दस: पूर्व से निर्धारित कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्यों की स्थिति

निम्नलिखित कार्यक्रमों के जमीनी स्तर पर शत-प्रतिशत क्रियान्वयन हेतु सभी शिक्षक साथी मिलकर प्रयास करें :

- जिले से सभी गाँव/वार्ड को प्रिंट-रिच गाँव/वार्ड में बदलना
- LEP के अंतर्गत प्रेषित पठन सामग्री के बेहतर एवं प्रभावी उपयोग हेतु योजना बनाकर सामग्री का स्थानीय स्तर पर उपयोग
- सरल कार्यक्रम का क्रियान्वयन एवं बेसलाइन/एंडलाइन हेतु तैयारी
- अंगना मा शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत माताओं द्वारा छोटे बच्चों को घर पर सिखाना एवं बेसलाइन एवं एंडलाइन एंट्री
- यूथ एवं इको क्लब के लिए निर्धारित किये जा सकने योग्य गतिविधियों के साथ-साथ प्रत्येक शाला किसी बाल पत्रिका का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लेना
- गणित/विज्ञान क्लब की पूर्व तैयारी हेतु एकलव्य की पठन सामग्री को चयनित शालाओं क माध्यम क्रयादेश जारी कर शालावार प्राप्त करना
- उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए चर्च पत्र माह में एजेंडा क्रमांक आठ में उल्लेखित बिंदु "हमारे आसपास की खोज" की प्रति सभी उच्च प्राथमिक शालाओं में विद्यार्थियों द्वारा तैयार कर उपलब्ध करवाना
- कम्युनिटी पुस्तकालय स्थापित करने में आवश्यक सहयोग कर एल ई पी के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न पठन सामग्रियों को उपलब्ध करवाना

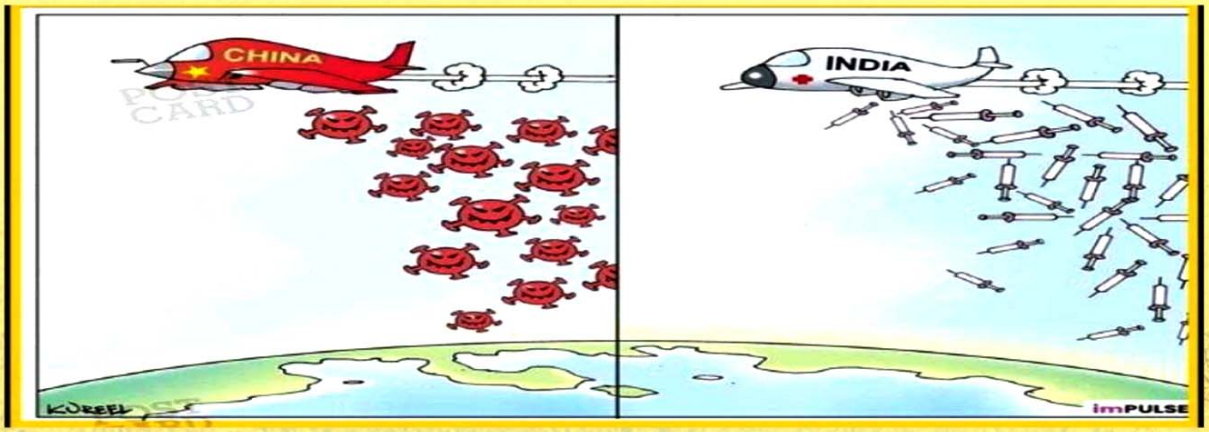

चर्चा पत्र के छः वर्ष से अनिर्वाध निर्धारित तिथि में तैयार कर आप तक पहुँचाने एवं आप सभी के द्वारा इसका नियमित उपयोग कर अपनी अपनी शालाओं में बदलाव लाने में सक्रिय सहभागिता लेने हेतु आप सभी को कोटिशः बधाइयाँ !